समाचार संक्षेप

रिलायंस कम्युनिकेशन से वसूले 14 करोड रुपए

भोपाल, 11 अक्टूबर (ए)। गुडस एंड सर्विस टैक्स जीएसटी की खुफिया विंग ने रिलायंस कम्युनिकेशन कंपनी से 14 करोड रुपए की वसूली की है। दरअसल मध्यप्रदेश में जीएसटी की खुफिया विंग ने रिलायंस कम्युनिकेशन कंपनी को जीएसटी का डिफाल्टर पाया है। छानबीन के बाद 14 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी और उस पर ब्याज का नोटिस मिलने के बाद कंपनी यह राशि भरने को सहमत हो गईए लेकिन आर्थिक संकट बताते हुए एक महीने की मोहलत मांगी है। जीएसटी खुफिया विंग ने भोपाल की एक और कंपनी पेंटागन टेक्नोलॉजी को कम टैक्स देने का दोषी पाया है। पॉवर बैंक बनाने वाली इस कंपनी को 28 फीसदी जीएसटी देना थाए लेकिन उसने 18 फीसदी टैक्स ही जमा कराया। इस कंपनी पर 22 लाख रुपए की टैक्स वसूली निकाली गई है।

विभागीय सूत्रों का कहना है कि देश में जीएसटी लागू हुए सवा साल बीत चुका हैए लेकिन इस कंपनी ने अब तक 18 फीसदी टैक्स नहीं भरा। खुफिया विंग ने जांच के बाद जब कच्चा.चिट्ठा सामने रखा तो कंपनी ने भी अपनी गलती मान ली। विभाग ने कुल 14 करोड़ रुपए और उस पर ब्याज की वसूली निकाली है। टैक्स की पाई.पाई चुकाने का आश्वासन देकर कंपनी ने फिलहाल आर्थिक संकट का हवाला देकर टैक्स भरने के लिए मोहलत मांगी है।

आचार संहिता लगने के बाद नारियल फोड़कर ओवर ब्रिज का लोकार्पण

भोपाल, 11 अक्टूबर (ए)। सतना के भाजपा सांसद गणेश सिंह के खिलाफआचार संहिता का उल्लंघन करने की शिकायत की गई है। बुधवार को उन्होंने मेहर बाईपास पर बने रेलवे ओवरब्रिज का लोकार्पण कर दियाए जिसकी शिकायत चुनाव आयोग को की गई है। सांसद गणेश सिंह का कहना है कि उन्होंने कोई आचार संहिता का उल्लंघन नहीं किया है। वह रेलवे का ब्रिज देखने के लिए गए थे। ब्रिज पहले ही चालू हो चुका था। उन्होंने कहा कि विरोधियों द्वारा झूठी शिकायत की जा रही है। इस मामले में चुनाव आयोग ने कलेक्टर सतना से रिपोर्ट मंगाई है।

चुनाव आयोग द्वारा उईके अयोग्य घोषित

भोपाल, 11 अक्टूबर (ए)। चुनाव आयोग द्वारा गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के उपाध्यक्ष दबूं सिंह उईके को अयोग्य घोषित कर रखा है। उन्होंने पिछले चुनाव में अपना हिसाब.किताब चुनाव आयोग के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया थाए जिसके कारण भारत निर्वाचन आयोग ने 2016 में उन्हें 3 साल के लिए अयोग्य घोषित किया था। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने दबूं सिंह उईके को परसवाड़ा सीट से उम्मीदवार घोषित किया है। ऐसी स्थिति में जब वह चुनाव लड़ने के लिए सक्षम ही नहीं है और उनको टिकट दिए जाने के कारण राजनीतिक क्षेत्रों में अटकलों का दौर शुरू हो गया। इस संबंध में दबूं सिंह का कहना है कि उन्होंने अपना हिसाब चुनाव आयोग के सामने प्रस्तुत कर दिया है। कहीं कुछ गलती हैए इस संबंध में उन्होंने चुनाव आयोग से संपर्क स्थापित किया है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि वह लोगों को गुमराह कर रही है।

टिकट वितरण में सिंधिया अलग.थलग पड़े

भोपाल, 11 अक्टूबर (ए)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशियों के चयन के लिए बनी स्क्रीनिंग कमेटी में कमलनाथए दिग्विजय सिंह और अजय सिंह एक साथ नजर आ रहे हैं। वहीं टिकट वितरण की स्क्रीनिंग कमेटी में ज्योतिरादित्य सिंधिया अकेले पड़ गए हैं। 12 अक्टूबर को स्क्रीनिंग कमेटी में 70 सीटों पर सिंगल नामों का एक पैनल बनाया गया है। इसको केंद्रीय चुनाव समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगाए जहां पर अंतिम निर्णय होगा। दिल्ली में टिकट के लिए सैकड़ों नेता और उनके समर्थक दिल्ली में डेरा डाल कर बैठे हुए हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्क्रीनिंग कमेटी में अध्यक्ष होने के बाद भी सिंधिया कमजोर पड़ते दिखाई दे रहे हैं। प्रत्याशी चयन में कमलनाथए दिग्विजय सिंह और अजय सिंह के बीच अच्छे तालमेल बना हुआ है। वही ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ इन तीनों का कोई तालमेल देखने को नहीं मिला। यह स्थित ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थकों का निराशा का कारण बन रहा है।

मतदान बढ़ाने के लिये सोशल मीडिया का भी उपयोग

भोपाल, 11 अक्टूबर (ए)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी व्हीएल कान्ता राव ने बताया है कि युवा मतदाताओं के लिये चुनाव आयोग सोशल मीडिया पर भी निर्वाचन संबंधी गतिविधियों को प्रचारित कर रहा है। प्रदेश में 2 करोड़ 82 लाख से अधिक 18 वर्ष से 39 वर्ष के मतदाता है। युवा सबसे ज्यादा सोशल मीडिया पर क्रियाशील रहते हैं। राव ने बताया कि युवाओं की सोशल मीडिया पर क्रियाशीलता का उपयोग करने के लिये फेसबुक व्हाट्सअपए ट्वीटरए यू.ट्यूब अकाउंट बनाये गये हैं। मण्प्रण् विधानसभा चुनाव की स्वीप गतिविधियों को भी सोशल मीडिया पर प्रचारित किया जा रहा है। राव ने बताया कि वेबसाइट पर चुनाव संबंधी गतिविधियाँ और जानकारी उपलब्ध हैं। युवा मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने हेतु फेसबुक पर लाइव प्रसारण भी किया जायेगा। विशेषकर नये मतदाताओं को मतदान के लिये जागरूक करने के लिये वीडियोए जिंग्लस भी प्रसारित किये जायेंगे।

ईओडब्ल्यू ने नगर निगम अधिकारी के ठिकानों पर मारी रेड

भोपाल, 11 अक्टूबर (ए)। इंदौर नगर निगम के अधिकारी अभय सिंह राठौर के घर ईओडब्ल्यू ने गुरुवार सुबह रेड मारते हुए राठौर के पास से प्रारंभिक जांच मे करोड़ों की काली कमाई का खुलासा किया है। राठौर निगम में जल यंत्रालय एवं ड्रेनेज विभाग में सहायक यंत्री के पद पर पदस्थ है। राठौर के खिलाफआय से अधिक संपत्ति और आर्थिक अनियमितता करने की शिकायत मिली थी। जानकारी के मुताबिक राठौर के खिलाफ शिकायत मिली थीए कि उन्होंने करोड़ों की बेनामी संपत्ति एकत्रित कर ली है। इसके बाद गुरुवार सुबह उनके स्कीम नंबर 78 स्कीम नंबर 94 बजरंग नगर और गुलाब बाग ठिकानों पर कार्रवाई की गई है। वर्तमान में राठौर स्वच्छता अभियान के तहत टॉयलेट निर्माण का प्रभार देख रहे है। साथ ही वह लम्बे समय से निर्माण कार्य नियंत्रण में भी पदस्थ रहे है। कार्रवाई के दौरान ईओडब्ल्यू की टीम को राठौर के घर से 15 करोड़ रुपए की संपत्ति मिली है। बताया गया है कि इंदौर नगर निगम के सफाई अभियान के अधिकारी ने सफाई के साथ करोड़ों की अनुपातहीन संपत्ति जुटा ली थी। आर्थिक अपराध अन्वेक्षण ब्यूरो की टीम ने गुरुवार सुबह नगर निगम के आधिकारी अभय सिंह राठौड के घर पर छापा मारा। यह कार्यवाही ईओडब्ल्यू एसपी एसएस सराफके निर्देशन में की गई। ब्यूरो के अधिकारियो के मुताबिक राठौड के खिलाफ लंबे समय से शिकायत मिल रही थीए कि वे करोडो की बेनामी संपत्ती बना चुके है। अफसरो ने आगे बताया कि गुरुवार की सुबह उनके स्कीम नंबर 78 ए 94 बजरंग नगर और गुलाब बाग के ठिकानो पर एक साथ छापे की कार्यवाही की गईए इसमें पता चला है कि लगभग 15 से 20 करोड की भ्रष्टाचार से अनुपातहीन कमाई की गई है। फिलहाल छानबीन की कार्यवाही जारी है जिसमें और भी संपत्ती का खुलासा हो सकता है। बताया गया है कि सहायक यंत्री अभय कुमार राठौड जो कि 1995 से स्वच्छता अभियान देखते हैए और इंदौर की पॉश कलोनियो स्कीम 78 में गुलाब बाग में उनके द्वारा बेनामी संपत्ती रिश्तेदारों के नाम से ली गई?है। इसके बाद ईओडब्ल्यू ने सर्च की परमीशन स्पेशल जज जे पी सिंह से ली और चार डीएसपी के नेतत्व में चार टीम बनाई जिसने गुरुवार सुबह से कार्यवाही शुरु की। टीम द्वारा कार्यवाही गुरुवार सुबह गुलाब बाग से शुरु की गई जहां राठौर खुद रहते है। यहां उनका तीन मंजिला भवन है उसके अलावा उनके तीन मंजिला भवन और हैए इसके साथ ही उनके पास से कार्यवाही के दौरान तीन और कमर्शीयल बिल्डींग के दस्तावेज भी मिले हैए जहां हॉस्टल व दुकाने है। वहीं ए प्लाट ए स्कीम 78 में मारुती का शो रुम हैए स्कीम 94 में भी प्लॉट मिला है। खबर लिखे जाने तक मिली जानकारी के अनुसार कार्यवाही फिलहाल जारी हैए और करीब 15 से 20 करोड की बैनामी संपत्ती मिलने का अनुमान है। इसके साथ हीए तीन से चार चार पहियां वाहन व बीस लाख से अधिक कि नगदी भी घर से बरामद हुइ हैए वहीं सोने चांदी के जेवरात सहित अन्य कीमती माल भी काफी मात्रा में सामने आया है। इसके अलावा अब तक 36 जीवन बीमा पालिसी भी मिले हीए वहीं लॉकर भी मिले है जिनकी जांच की जा रही है। आगे कि जांच मे काली कमाई का आंकडा ओर बढ सकता है।

दोस्तों के ब्यानों के बाद हो सकेगा कारणों का खुलासा

भोपाल, 11 अक्टूबर (ए)। अयोध्या नगर में रहने वाले इंजीनियरिंग के छात्र द्वार ब्लड प्रेशर की 170 गोलियां खाकर खुदकुशी करने के सही कारणो का फिलहाल खुलासा नही हो पाया है। अफसरो के अनुसार मृतक छात्र के मोबाईल फोन कि डिटेल खंगालने के साथ ही अन्य बिदुओ कि जांच कि जा रही हैए और जांच पुरी होने पर ही खुदकूशी के असल कारणो का पता लग सकेगा। हालांकि प्रारंभिक जांच मे छात्र द्वारा आत्महत्या का कारण डिप्रशन सामने आ रहा है। मामले मे अयोध्या नगर पुलिस के अनुसार मूलतः शिवपुरी का निवासी 25 वर्षीय राहुल भार्गव बसंल कॉलेज में बीई फाइनल ईयर का छात्र था। उसके पिता दिनेश भार्गव शिवपुरी में शिक्षक हैं। राहुल ने मंगलवार शाम साढ़े चार के बजे ब्लड प्रेशर की 170 गोलियां खा ली थी। जब उसकी तबीयत बिगड़ी तो उसने अपने दोस्त को फोन पर मैसैज भेजा इसके बाद उसे पास के ही एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। जहां राहुल ने बताया कि उसने बीपी की 170 गोलियां खा ली हैं। इसके बाद डाक्टरों ने उसे हमीदिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया था। जहां उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार राहुल परिवार का इकलौता लड़का था। उसके पिता उसे पीएससी पास कराकर बड़े पद पर नौकरी कराना चाहते थे। लेकिन वह आठ साल में इंजीनियरिंग की ही पढाई पूरी नहीं कर पाया था। बार.बार उसके पेपर पर बैक लग रहा था। जांच मे सामने आया कि राहुल की छोटी बहन बुलबुल इंदौर में पीएससी की तैयारी कर रही है। पुलिस जांच में सामने आया है कि दो माह पहले राहुल इंदौर में अपनी बहन के पास गया था। लेकिन बहन और भाई में क्या हुआ पता नहीं चला है। सात दिन पहले ही वह भोपाल आया और राज सम्राट कॉलोनी अयोध्या नगर में किराए के मकान में रहने लगा था। बताया गया है कि अपने कैरियर को लेकर ज्यादा सोचने के कारण उसे बीपी हो गया था। अयोध्या नगर पुलिस के अनुसार पैटर्न लॉक होने के कारण राहुल का मोबाइल नहीं खुल पाया थाए जिसके लिये सायबर सेल कि मदद ली जा रही है। वही पुलिस उसके परिजनो ओर दोस्तो के भी ब्यान दर्ज करेगीए जिसके बाद ही खुदकूशी के कारणो का खुलासा हो सकेगा।

आरपीएफथाना मेन लोकेशन से हटेगा

भोपाल, 11 अक्टूबर (ए)। राजधानी के प्रमुख रेलवे स्टेशन पर स्थित आरपीएफ थाने की वर्तमान में जो मेन लोकेशन हैए उससे हटाने की तैयारी शुरु हो गई है। अगर आरपीएफ थाने को वर्तमान लोकेशन से हटाया जाता है तो यहां बदमाशों एवं आवारा तत्वों की पौ बारह हो जाएगी। यहां होने अपराधों में भी बढोत्तरी होने की पूरी संभावना हैए जो कि आरपीएफ और रेल प्रशासन के लिए सिरदर्द साबित होंगे। यदि ऐसा हुआ तो स्टेशन परिसर में घुसने वाले संदिग्धों के लिए आवागमन और आसान हो जाएगा। क्योंकि अभी थाना प्लेटफार्म.1 के मुख्य एंट्री के पास हैए जो शिफ्टिंग के बाद प्लेटफार्म.1 के बीना आउटर की तरफशहीद स्मारक के पास चला जाएगा। यह लोकेशन प्लेटफार्म.1 की तरफ से स्टेशन परिसर में प्रवेश वाले सभी स्थानों से बिल्कुल अलग है। इसका फायदा संदिग्ध उठा सकते हैं। थाने को हटाने की वजह रेल प्रशासन ने नई बिल्डिंग के निर्माण को बताया है। लेकिन सुरक्षा के लिहाज से यह ठीक नहीं है।

बता दें कि किसी भी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म.1 की तरफआरपीएफ का थाना मेन लोकेशन के आसपास ही होता है। ताकि आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर सीधी नजर रखी जा सके। इसी को देखते हुए सालों पहले थाने को प्लेटफार्म.1 पर मुख्य एंट्री के नजदीक बनाया गया था। जिसे प्रस्तावित नई बिल्डिंग के निर्माण का हवाला देकर हटाया जा रहा है। थाने को हटाने के लिए बीते सप्ताह रेलवे के अधिकारी नाप.जोक कर चुके हैं। थाने की शिफ्टिंग को लेकर आरपीएफ के अधिकारियों में अंदरूनी नाराजगी हैए लेकिन विभाग का मामला होने के चलते कोई भी खुलकर कुछ कहने से बच रहा है।

निरीक्षण...

भोपाल, 11 अक्टूबर। निगम आयुक्त ने अयोध्या बायपास मार्ग स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सब्जी मण्डी और कल्पना नगर तथा सोनागिरी के पार्कों की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। निगम आयुक्त ने मण्डी में स्थापित किए गए कम्पोस्ट प्लांट का अवलोकन किया। निगम आयुक्त ने उक्त सब्जी मण्डी और पार्के की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी राकेश शर्मा सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

साल भर पहले बनी सडक के फिर हो गए टेंडर

भोपाल, 11 अक्टूबर (ए)। नगर निगम के यांत्रिकी शाखा में तमाम अनियमिताओं के बाद भी प्रशासन दोषियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई नहीं कर रहा है। कभी टेंडर में गड़बड़ी तो कभी फर्जी एस्टीमेट बनाकर बिल का भुगतान कर गडबडी को अंजाम दिया जा रहा है। ताजा मामला वार्ड नंबर 27 के राजीव नगर और नया बसेरा का है। यहां मुख्यालय निधि के तहत उन सड़कों के निर्माण की फाइलें बनाकर टेंडर किए गएए जो सड़कें एक साल पहले ही बन चुकी थीं। यही नहीं इंजीनियरों ने ठेकेदारों से साठगांठ कर 20 फीसदी काम होने के बाद ही पूरा भुगतान का बिल लेखा शाखा में भेज दिया। मामला जैसे ही स्थानीय कांग्रेसी पार्षद प्रदीप मोनू सक्सेना के संज्ञान में आया तो उन्होंने कई गंभीर आरोप लगा दिए। सक्सेना का आरोप है कि 50 हजार रुपए का भी काम नहीं किया गयाए जबकि भुगतान के लिए 14 लाख का बिल बनाकर भेजा गया। जिस काम की फाइल बनाई गईए वह काम आवश्यक नहीं था। बुधवार को पार्षद सक्सेना के साथ कांग्रेसी पार्षद गुड्डू चौहानए मंजीत मारणए अशोक मारन ने निगम आयुक्त अविनाश लवानिया से इस मामले की शिकायत की। आयुक्त ने बिल भुगतान रोकने के साथ ही अधीक्षण यंत्री पीके जैन को जांच के लिए आदेश दिया है। पार्षद सक्सेना ने बताया कि आयुक्त ने कहा था कि निगम अधिकारी मेरे साथ मौका मुआयना भी करेंगे। लेकिन बिना निरीक्षण के ही जांच पूरी कर ली गई। जो सरासर गलत है। बताया जाता है कि निगम के बजट में हर विधानसभा के लिए तीन.तीन करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। इस बजट को ठिकाने लगाने के लिए यांत्रिकी शाखा के अधिकारियों ने गड़बड़ी को अंजाम दिया। सितंबर महीने में हुजूरए मध्य और दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्रों में पांच.पांच करोड़ के सीएम इंफ्रा के टेंडर में गड़बड़ी की गई। पहली गड़बड़ी यह थी कि टेंडर डॉक्यूमेंट में सीएम इंफ्रा नहीं लिखा गया। दूसरा शर्तों में आयकर रिटर्न और वार्षिक टर्न ओवर की शर्त रखी गईए लेकिन ऐसे ठेकेदारों को ठेका दे दिया गयाए जिन्होंने दस्तावेज ही जमा नहीं किए। अपात्रों को ठेका देने के मामले में नगर निगम कांट्रेक्टर एसोसिएशन ने आयुक्त से शिकायत भी की थी। शिकायत के बाद दो कामों के री.टेंडर किए गएए लेकिन कार्रवाई किसी के खिलाफ नहीं की गई। कांग्रेस पार्षद योगेन्द्र गुड्डू चौहान का कहना है कि नगर निगम के यांत्रिकी शाखा में कुछ इंजीनियर फर्जी फाइलें बनाकर ठेकेदारों से मिलीभगत करके जनता के पैसों को लूट रहे हैं। इस मामले की चुनाव आयोगए लोकायुक्त और ईडब्ल्यूओ में शिकायत की जाएगी। आयुक्त के निर्देश के बाद अधीक्षण यंत्री पीके जैन ने बताया कि कार्यों की फाइल जोन कार्यालय से बुलवाने के बाद तत्काल चंद घंटो में ही मामले की जांच पूरी कर ली और रिपोर्ट भी आयुक्त को भेज दी गई है।

घोषणा के बावजूद नहीं मिला अन्नानगर वासियों को पटटा

भोपाल, 11 अक्टूबर (ए)। राजधानी के अन्नानगर वासियों को घोषणा के बावजूद पटटे नहीं मिल पाए हैं। राज्य सरकार ने 15 दिसंबर 2013 में घोषणा की गई थी कि अन्ना नगर की जमीन भेल से वापस ली जाएगी और यहां बसे लोगों को पट्टे दिलाएं जाएंगे। लिहाजा इस मामले में आचार संहिता लगने से पहले 1959 का रिकॉर्ड खंगाला गया। प्रमुख सचिव राजस्व को प्रस्ताव भी बनाकर भेजा गया। लेकिनए अचानक आचार संहिता लगने के कारण एक बार फिर यह मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। मालूम हो कि भेल कारखाने को अस्तित्व में आए 60 साल हो चुके हैं। उसी समय अन्ना नगर में झुग्गियां बननी शुरू हुई थीं। तब से अब तक करीब 5 हजार से ज्यादा झुग्गियां यहां बन गई हैं। वहीं आसपास की जमीन में भी झुग्गियां बन चुकी हैं। विगत दिनों मंत्रालय में हुई एक बैठक में इस मामले में लंबी बहस चली। इसमें बताया गया कि पहले यहां गांव था। इन गांवों में रहने वालें लोगों से जमीन अधिग्रहित कर यह जमीन भेल को दी गई थी। लेकिनए जिस प्रयोजन के लिए इस जमीन का अधिग्रहण किया गया था। अगर पांच साल तक उसे पूरा नहीं किया जाता है तो यह जमीन वापस शासन के खाते में आ सकती है। ऐसा शहरी विकास अधिनियम के नियमों का हवाला देते हुए प्रस्ताव बनाया गया। इस पर प्रमुख सचिव राजस्व ने 1959 का रिकॉर्ड निकालने के लिए कलेक्टर भोपाल सुदाम पी खाडे को निर्देश दिए।

इधरए तीन घंटे के अंदर रिकॉर्ड खंगाला गया और यह रिकॉर्ड राजस्व कार्यालय भेजा गया। इस पर जल्द से जल्द प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश दिए गए। जिला प्रशासन ने अर्बन सिलिंग एक्ट का हवाला देते हुए एक प्रस्ताव बनाकर प्रमुख सचिव राजस्व को सौंपा। इसके ठीक दूसरे ही दिन आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई। इस कारण यह पूरा मामला ठंडे बस्तें में डाल दिया गया। बता दें कि अन्ना नगर वासियों को पट्टे वितरित करने के मामले में केंद्र शासन को विगत दिनों प्रस्ताव भी भेजा गया था जिसके जवाब में केंद्र शासन ने लिखकर दिया था कि पीसी एक्ट के तहत राज्य शासन केंद्र शासन के नाम की गई किसी भी जमीन पर कोई हस्ताक्षेप नहीं कर पाएगा। इस कारण जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया।

इधरए मामले में भू.अर्जन अधिनियम पर भी चर्चा हुई। भू.अर्जन अधिनियम में संशोधन करते हुए मप्र सरकार ने परिवर्तित कर दिया है। नए नियमों के अनुसार जिस कार्य के लिए भू.अर्जन किया जाता है अगर वह कार्य पांच साल तक संपन्न नहीं होता है तो यह जमीन शासन के खाते में नहीं बल्कि भूमि स्वामी जिससे यह जमीन ली गई है उसके खाते में दर्ज होना चाहिए। इस असमंजस की स्थिति को देखते हुए अधिकारियों ने इस मामले में कुछ भी करना मुनासिफ नहीं समझा। इस बारे में भोपाल जिले के कलेक्टर सुदाम पी खाडे का कहना है कि शासन ने सिर्फहमसे रिकॉर्ड मांगा थाए हमने भेल की जमीन का रिकॉर्ड उन्हें भेज दिया है। इस मामले में आगे कोई भी निर्णय शासन द्वारा ही लिया जाएगा।

डिंडौरी में पुलिस ने रोकी राम वनगमन पथ यात्रा

भोपाल, 11 अक्टूबर (ए)। प्रदेश के डिंडौरी जिले की पुलिस द्वारा राम वन गमन पथ यात्रा को आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने कारण रोक दिया हैए जिसका प्रदेश कांग्रेस के नेताओं द्वारा कडा विरोध किया जा रहा है। राम वनगमन पथ यात्रा को गत मंगलवार की रात डिंडौरी जिले की शहपुरा पुलिस द्वारा रोक दिया और यात्रा के रथ को जब्त कर थाने में खड़ा कर दिया गया है। इस घटना का पता जब प्रदेश कांग्रेस के नेताओं को लगा तो उन्होंने इसका कडा विरोध किया। कांग्रेस के मीडिया विभाग ने आरोप लगाया है कि भाजपा के दबाव में पुलिस ने इस धार्मिक यात्रा को रोका है। इससे प्रदेश की जनता की भावनाओं को ठेस पहुंची है। कांग्रेस के मीडिया विभाग की अध्यक्ष शोभा ओझाए उपाध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता व अभय दुबे ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजि संयुक्त रूप से पत्रकारवार्ता में बताया कि पुराने लंका आश्रम चित्रकूट धाम के प्रमुख ट्रस्टी पंडित हरिशंकर शुक्ल द्वारा यह धार्मिक यात्रा निकाली जा रही थी। जब उनसे पूछा गया कि यात्रा कांग्रेस की थी या नहीं तो वे सवाल को टाल गए।

फर्जी रजिस्ट्री से एक करोड का लोन लेने वाले जालसाजो की तलाश जारी

भोपाल, 11 अक्टूबर (ए)। राजधानी के अरेरा कॉलोनी स्थित एक महिला के प्लॉट की फर्जी रजिस्ट्री को एक निजी फायनेंस कंपनी में बंधक रखकर एक करोड़ रुपए का लोन लेने के मामले मे पुलिस तीनो शातिरो कि तलाश मे जुटी है। मामले मे पुलिस ने एक महिला सहित दो अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया हे। हबीबगंज पुलिस के मुताबिक मिथिलेश पत्नी डीपी अग्रवाल ;69द्धए 74 बंगला स्थित निशात कॉलोनी में रहती हैं। उनके पति आयकर सलाहकार हैं। मिथिलेश ने बीते दिना लिखित शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि मंजीत रावत नाम के व्यक्ति ने किसी कौशल्या नाम की महिला की मदद से उनके अरेरा कॉलोनी की लाला लाजपत राय सोसायटी स्थित प्लॉट नंबर ई.7.77 की फर्जी रजिस्ट्री करा ली। साथ ही रजिस्ट्री को इंडिया बुल्स फायनेंस कंपनी में बंधक रखकर एक करोड़ रुपए का लोन निकाल लिया है। घटना का पता 13 जुलाई.18 को तब चलाए जब फायनेंस कंपनी के रिकवरी अफसर अभिनव गीते ने बकाया की वसूली के बारे में बताया। इसके बाद जब पीड़िता ने उपपंजीयक कार्यालय से मंजीत रावत द्वारा कराई गई रजिस्ट्री की डुप्लीकेट रजिस्ट्री निकलवाई। उसमें प्लॉट के पूर्व मालिक केवी चौधरी का नाम तो थाए लेकिन फोटो किसी और की लगी थी। साथ ही प्लॉट की पूर्व मालिक के नाम के साथ हिन्दी में कौशल्या लिखकर हस्ताक्षर किए गए थे। मामले की पुलिस जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी मंजीत रावत के पास लाला लाजपतराय सोसायटी की एनओसी भी नहीं मिली।

सेंधवा इलाके मे कुंए मे मिले पांच बच्चों के शव

भोपाल, 11 अक्टूबर (ए)। प्रदेश के सेंधवा अंचल के चिकली गांव में कुएं के अंदर एक ही परिवार के पांच बच्चों के शव मिलने कि सनसनीखेज घटना पुलिस ने गुरुवार सुबह मां सुंगी बाई को हिरासत मे लेकर थाने लेकर पहुंची। सुत्रो के अनुसार शुरुआती पुलिस पुछताछ मे महिला ने बताया है कि पति भतर सिंह ने उससे मारपीट की थीए जिसके बाद वो घर से भाग गई। इसके बाद क्या हुआ उसे कुछ नहीं पता। उसके इस बयान के बाद पुलिस को आशंका है कि बच्चों की हत्या उनके पिता भतर सिंह ने की है। गौरतलब है कि भतर घटना के बाद से ही फरार हैए पुलिस उसकी तलाश कर रही है। सनसनीखेज हादसे मे जानकारी के मुताबिक सेंधवा के ग्राम चिकली की यह घटना हैए बुधवार सुबह जब ग्रामीणों ने कुए में पांच बच्चों के शव तैरते देखे तो इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। ये पांचों बच्चे भातरिया पिता चमारिया के हैं। भातरिया महाराष्ट्र में काम करता है और उसकी दो पत्नियां हैंए इसमें से पहली पत्नी से चार और दूसरी पत्नी से एक लड़का है।

सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि, भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण संग्रहालय, जगदलपुर में दिनांक 17 अक्टूबर 2018 से टिकिट की व्यवस्था लागू किया जावेगी, जिसके साथ साथ संग्रहालय में भ्रमण दिवसों में भी परिवर्तन किया जा रहा है। जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

भ्रमण दिवस	समय	अवकाश
मंगलवार से रविवार (6 दिन)	प्रातः 9.30 से सायं 5.30	प्रत्येक सोमवार एवं राजपत्रित अवकाश
संग्रहालय टिकिट (दिनांक.....सितम्बर, 2018 से लागू)		
भारतीय आंगतुक	रू.20/- प्रति व्यक्ति	
भारतीय छात्र/छात्रा	रू.10/- प्रति व्यक्ति	
विदेशी आंगतुक	रू.150/- प्रति व्यक्ति	
फोटोग्राफी	रू.100/- प्रति कैमरा	
विडियोग्राफी	रू.150/- प्रति कैमरा	

कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण
उप-क्षेत्रीय केन्द्र
जगदलपुर